हर्षोल्लास से मनाया 26वां कारगिल विजय दिवस

बड़वानी। स्थानीय पीएमश्री शासकीय हाई स्कूल में 26 जुलाई को 26वां कारगिल विजय दिवस देश के वीर जवानों के सम्मान में भावपूर्ण तरीके से मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की पूजा–अर्चना और चित्र पर माल्यार्पण से हुई। इसके बाद शिक्षिकाओं ने मधुर सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। इस गौरवपूर्ण अवसर पर पूर्व नायक एवं हैदराबाद में प्रशिक्षक रहे अगुस्तीन उर्फ गोलू बंडोड, फौजी सचिन अवाया एवं सुरमल अलावे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था प्रमुख संतोष मिश्रा ने की। अतिथियों का स्वागत प्रधानाध्यापक सियाराम मोरे ने किया। इसके बाद छात्रों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया। साप्ताहिक बाल सभा में नाटक, कविता पाठ एवं भाषण प्रतियोगिताएं भी हुई। मुख्य अतिथियों ने अपने सैन्यकाल के अनुभवों को सांझा करते हुए छात्रों को प्रेरित किया। तीनों वीर जवानों ने जम्मू–कश्मीर जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में सेवाएं दी हैं और देश सेवा के दौरान आने वाली कठिन चुनौतियों को सांझा कर विद्यार्थियों में देशभक्ति का संचार किया। पूजा जैन, ललित सोनी एवं रमेश शराफ ने देशभक्ति गीतों से कार्यक्रम को गरिमापूर्ण बनाया। अंत में अतिथियों को सम्मानित किया गया। आभार हंसा कुमावत ने किया तथा संचालन शिक्षिका शीला निगम ने माना।

ग्राम केशरपुरा में निकली नवांकुर सखि यात्रा

बड़वानी। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा संचालित नवांकुर योजना के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण में महिलाओं की स्वैच्छिक भागीदारी को बढ़ावा देने शनिवार को ग्राम केशरपुरा में नवांकुर सखि यात्रा का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्रदेश के 313 विकासखंडों में संचालित हो रहा है, जिसके अंतर्गत अब तक 156500 महिलाओं का नवांकुर सखि के रूप में पंजीयन किया है। 1721500 पौधों के रोपण व संरक्षण की जिम्मेदारी महिलाओं को सौंपी है। ठीकरी विखं के 5 सेक्टर में यह कार्यक्रम सक्रिय रूप से संचालित किया जा रहा है। उक्त कार्यक्रम की शुरुआत कलश यात्रा से हुई, जिसमें सैकड़ों माता ओर बहनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर नवांकुर सखि को 11–11 पौधे वितरित किए। जिन्हें अयोध्या धाम स्थित राम मंदिर परिसर में संरक्षण के लिए सौंपा गया। कार्यक्रम में जिला समन्वयक ज्योति वर्मा, विखं समन्वयक संजय सोलंकी, नवांकुर समिति के सचिव नारायण मंडलोई, सामाजिक कार्यकर्ता व मेंटर्स नरेंद्र सिंह तवर, नरेंद्र चौहान, नवांकुर अध्यक्ष जयपाल चौहान, राजा आलुने सहित वरिष्ठ व ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

डॉ. दादू महाराज दुबई में करेंगे देवी अहिल्या गाथा का वर्णन

इंदौर. शनि साधक और मोटिवेशनल स्पीकर डॉ. दादू महाराज को दुबई में लोकमाता देवी अहिल्या बाई होलकर की 300वीं जयंती के अवसर पर प्रवचन हेतु आमंत्रित किया गया है. वे 29 जुलाई को इंदौर से दुबई के लिए प्रस्थान करेंगे. विमुक्त घुमंतू एवं अर्द्ध घुमंतू जनजाति महासंघ के संरक्षक डॉ. दादू महाराज देशभर में देवी अहिल्या बाई होलकर के जीवन और आदर्शों को छोटी–छोटी प्रेरणादायक कथाओं के माध्यम से जन–जन तक पहुंचाते आ रहे हैं. उनके प्रवचनों के वीडियो को सोशल मीडिया पर अपार सराहना मिली है, जिससे प्रभावित होकर उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच पर आमंत्रण प्राप्त हुआ. दुबई में होने वाले इस विशेष कार्यक्रम में डॉ. दादू महाराज देवी अहिल्या की न्यायप्रियता, प्रशासनिक क्षमता और जनसेवा के अविस्मरणीय योगदान पर प्रकाश डालेंगे. इस अवसर पर वे भारतीय संस्कृति और महिला सशक्तिकरण की प्रतीक अहिल्या माता की गौरवगाथा को प्रस्तुत करेंगे साथ ही शनि देव के प्रति फैली अनेक भ्रांतियों का भी निराकरण करेंगे, दुबई में रह कर शनि देव का पूजन किस तरह किया जाए विषय पर प्रकाश डालेंगे. दुबई के काईट स्टार टूरिज्म द्वारा यह आयोजन किया जा रहा हैं. उक्त जानकारी दादू महाराज संस्थान के राम मुंदड़ा द्वारा दी गई.

दाल उद्योगों पर मंडी शुल्क से छूट की मांग

इंदौर. ऑल इंडिया दाल मिल एसोसिएशन के प्रतिनिधि मण्डल ने पूर्व सांसद कृष्णमुरारी मोघ के साथ मुख्यमंत्री माननीय डॉ. मोहन यादव से भोपाल में मुलाकात की और उनसे अनुरोध किया कि सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग (रूल्र्स्ध) में रजिस्टर्ड दाल उद्योगों को मध्यप्रदेश के बाहर से दाल बनाने के लिए (प्रसंस्करण हेतु) मंगाये जाने वाले दलहन – मसूर, उड़द, मूंग, चना व अन्य दलहनों पर मण्डी शुल्क समाप्त करें. यह जानकारी देते हुए ऑल इंडिया दाल मिल एसोसिएशन के अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल ने अपनी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि माननीय मुख्यमंत्रीजी को अवगत कराया गया कि मध्यप्रदेश के बाहर से दाल बनाने के लिए मंगाये जाने वाले दलहन पर मण्डी शुल्क लगने के कारण मध्यप्रदेश में दिन–प्रति–दिन दाल उद्योग कम होते जा रहे है, प्रदेश में दाल उद्योगों को सुचारु रूप से चलाने और जीवित रखने के लिए मंडी शुल्क समाप्त करने की अत्यंत आवश्यकता है.

नशे के विरुद्ध विशाल मानव श्रृंखला का कीर्तिमान

इंदौर पुलिस ने नशे के विरुद्ध जनजागरण अभियान नशे से दूरी है ज़रूरी के अंतर्गत विशाल मानव श्रृंखला बनाकर एक नया कीर्तिमान स्थापित करने के आयोजन में बतौर मुख्य अतिथि डॉ भरत शर्मा ने इस उपलब्धि को वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा मान्यता देने पर इंदौर पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह, को प्रणाम–पत्र सौंपकर इस रिकॉर्ड की औपचारिक घोषणा की. इंदौर शहर में भँवरकुआँ से पलासिया चौराहे तक 4800 विद्यालय के छात्र और 2300 कोचिंग संस्थानों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों द्वारा मानव श्रृंखला बनाकर नशे से मुक्ति का आह्वान किया गया. डॉ भरत शर्मा और वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स से चार्टर्ड ऑफिसर अपूर्वा मेनन ने इंदौर पुलिस कमिश्नर श्री संतोष सिंह, अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर अमित सिंह, अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर मनोज के श्रीवास्तव, तथा अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त श्री राजेश दंडोतिया का सम्मान शॉल और मेडल पहनाकर किया. डॉ भरत शर्मा द्वारा वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के सर्टिफिकेट का वाचन कर उसे प्रदत्त किया गया. वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के सीईओ अधिवक्ता संतोष शुक्ला ने भी इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर इंदौर पुलिस को शुभकामनाएँ प्रेषित कीं.

शहर में कार्बन–न्यूट्रल इंजनियरिंग इवेंट 31 से

इंदौर. आगामी 31 जुलाई से 2 अगस्त तक शेराटन ग्रैंड पैलेस में कूल कॉन्क्लेव 2.0 आयोजित होने जा रही है. यह एचवीएसी एंड आर और बिल्ट एनवायरनमेंट इंडस्ट्री के लिए देश का सबसे बड़ा कार्बन–न्यूट्रल कॉन्क्लेव होगा. इंडियन सोसाइटी ऑफ हीटिंग, रेफ्रिजरेटिंग एंड एयर कंडीशनिंग इंजीनियर्स द्वारा आयोजित इस तीन दिवसीय आयोजन का मुख्य उद्देश्य डिकार्बनाइजेशन यानी उत्सर्जन में कटौती को लेकर राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर समाधान ढूंढना और लागू करना है. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आमंत्रित हैं. उद्घाटन समारोह में महापौर पुष्यमित्र भार्गव गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में उपस्थित रहेंगे. दूसरे दिन मध्य प्रदेश के शहरी विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय कार्यक्रम में शामिल होंगे. वहीं समापन सत्र में विशेष अतिथि के रूप में सांसद शंकर लालवानी और खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग उपस्थित रहेंगे. इंदौर चैप्टर के अध्यक्ष अंकुश झांवर ने बताया कि इशरे सस्टेनेबल डेवलपमेंट, ऊर्जा दक्षता और नेट ज़ीरो मिशन के लिए प्रतिबद्ध है, यही वजह है कि कॉन्क्लेव को पूरी तरह से कार्बन–न्यूट्रल बनाने के लिए बिजली, ईंधन उपयोग, ट्रैवल इमिशन्स और फूड वेस्ट जैसी हर छोटी–बड़ी चीज़ का ऑडिट किया जाएगा. कूल कन्क्लेव चेयर पर्सन पंकज धारकर तथा को–चेयर पर्सन निशांत गुप्ता ने कहा कि इंदौर लगातार आठ सालों देश का सबसे स्वच्छ शहर बना हुआ है इसलिए हमने कूल कॉन्क्लेव के दूसरे एडिशन के लिए इंदौर का चुनाव किया है। मिलिंद इंगोले कहते हैं कि हम प्रधानमत्री नरेंद्र मोदी जी के नेट जीरो मिशन के लिए प्रतिबद्ध और कार्यरत है. यही वजह है कि पूरे इवेंट कार्बन न्यूट्रल बनाया जायेगा. सचिव मनीषराज त्रिपाठी कहते हैं कि यह इवेंट उद्योग के लिए एक थॉट लीडरशिप प्लेटफॉर्म है,

जिले के प्रभारी मंत्री ने किया पौधारोपण

कारंजा चौराहा स्थित शहीद स्मारक पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को अर्पित किए श्रद्धासुमन

बड़वानी, (नवभारत)।

जिले के प्रभारी मंत्री एवं कौशल विकास एवं रोजगार राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ गौतम टेटवाल ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत सर्किट हाउस में पौधारोपण किया। इस दौरान राज्यसभा सांसद डॉ सुमेर सिंह सोलंकी, विधायक पालसेमल श्याम बरडे, जिला पंचायत अध्यक्ष बलवंत सिंह पटेल, भाजपा जिलाध्यक्ष अजय यादव एवं अन्य जनप्रतिनिधित्व एवं पदाधिकारी गण उपस्थित थे।

प्रभारी मंत्री ने नागरिकों से अधिक से अधिक पेड़ लगाने और उनकी देखभाल करने का आग्रह किया। पेड़ हमारे जीवन के लिए आवश्यक हैं, वह हमें शुद्ध हवा, पानी और फल प्रदान करते हैं। हमें अपने पर्यावरण को बचाने के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिए।

शहीदों को किया नमन

जिले के प्रभारी मंत्री डॉ गौतम टेटवाल, राज्यसभा सांसद डॉ सुमेर सिंह सोलंकी, विधायक पालसेमल श्याम बरडे कारगिल विजय दिवस के अवसर पर शहर के कारंजा चौराहे स्थित शहीद स्मारक पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। उन्होंने कहा कि देश की आजादी के लिए अपना सब कुछ न्योछावर करने बलिदानों को याद करना और उनके दिखाए मार्ग पर चलना, यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि हैं।

छात्रावासों का किया निरीक्षण

जिले के प्रभारी मंत्री डॉ गौतम टेटवाल ने शासकीय जनजातीय कन्या छात्रावास (अंग्रेजी माध्यम) का औचक निरीक्षण कर छात्राओं को दी जा रही सुविधाओं एवं व्यवस्था का अवलोकन किया। प्रभारी मंत्री ने निर्देशित किया कि छात्रावास में निवासरत विद्यार्थियों को बेहतर स्वास्थ्य, भोजन, सुरक्षा आदि व्यवस्थाओं को जाना सुनिश्चित किया जाए। साथ ही नाश्ता, भोजन एवं पेयजल की गुणवत्ता एवं समय पर उपलब्धता हो।

निरीक्षण के दौरान रसोईघर एवं भंडारकक्ष का निरीक्षण सावधानीपूर्वक किया गया, खाद्य सामग्री एवं भोजन/नाश्ते की गुणवत्ता, भोजन कक्ष एवं बर्तनों की साफ–सफाई की भी जांच की गई। साथ ही बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण, छात्रावास में विद्युत तार, स्वीच–बोर्ड व विद्युत उपकरणों के खुले तार न हो यह भी सुनिश्चित किया जाए। इस दौरान राज्यसभा सांसद डॉ सुमेर सिंह सोलंकी, पानसेमल विधायक श्याम बरडे, जिला पंचायत सीईओ काजल जावला सहित अन्य उपस्थित थे।

निरीक्षण कर दिए निर्देश

- डॉ गौतम टेटवाल ने सर्किट हाउस में किया पौधारोपण।
- नागरिकों से अधिक से अधिक पौधे लगाने का किया आग्रह।
- प्रभारी मंत्री द्वारा छात्रावास का निरीक्षण कर दिए गए निर्देश।

नशा मुक्ति जनजागरुकता कार्यक्रम का आयोजन

बड़वानी, (नवभारत)।

नशे से दूरी है जरूरी जन–जागरूकता अभियान के अन्तर्गत 26 जुलाई को एसपी जगदीश डावर के मार्गदर्शन में एकलव्य विद्यालय में प्रभावी जागरूकता कार्यक्रम हुआ। जिसके मुख्य वक्ता एसडीओपी दिनेश सिंह चौहान ने संबोधित करते हुए कहा कि नशा व्यक्ति की सामाजिक और पारिवारिक स्थिति को तहस–नहस कर देता है। ऐसा व्यक्ति परिवार पर बोझ बन जाता है और अपराध की ओर बढ़ते हुए समाज के लिए एक अभिशाप बनता है। उन्होंने युवाओं को सकारात्मक सोच अपनाने और स्वस्थ जीवनशैली की ओर अग्रसर होने का संदेश दिया।

साइबर एक्सपर्ट रितेश खत्री ने युवाओं को जागरूक करते हुए कहा कि इस अभियान का उद्देश्य किशोरों व युवाओं को सही दिशा में परामर्श देना है। उन्होंने यह भी बताया कि नशीली दवाओं का दुरुपयोग आज वैश्विक स्तर पर एक गंभीर समस्या बन चुका है।

कार्यक्रम के अंत में एसडीओपी दिनेश सिंह चौहान द्वारा सभी को नशा नहीं करने की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर यातायात थाना प्रभारी विनोद बघेल, पुलिस पीआरओ सउनि असद खान, काउंसलर अनीता चोयल, शिक्षक, छात्र–छात्राएं उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन विवेक श्रोत्रिय ने किया तथा प्राचार्य प्रमोद गुप्ता ने आभार व्यक्त किया।

बड़वानी को मिलेगा मेडल

बड़वानी, (नवभारत)।

नीति आयोग, भारत सरकार के आकांक्षी जिला व विकासखंड कार्यक्रम अंतर्गत 4 जुलाई से 30 सितंबर 2024 की अवधि में जिले में संपूर्णता अभियान संचालित किया था। कलेक्टर गुंचा सनोबर ने कहा कि यह अत्यंत गर्व का विषय है कि बड़वानी जिला एवं आकांक्षी विखं पाटी ने लक्षित सूचकांकों को इस अवधि में ही पूर्ण कर लिया। नीति आयोग, भारत सरकार द्वारा जिले को गोल्ड मेडल से सम्मानित किया जा रहा है। जिले में 28 जुलाई से 2 अगस्त तक विकास उत्सव का आयोजन होगा। आजीविका भवन जनपद पंचायत में दोपहर 1.30 बजे से आयोजन होगा। वहीं 2 अगस्त को संपूर्णता सम्मान समारोह के अंतर्गत उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों एवं फील्ड वर्कर्स का सम्मान सुबह 10.30 बजे से आजीविका भवन जनपद पंचायत में होगा। इस आयोजन का उद्देश्य न केवल जिलावासियों को बड़वानी की उपलब्धियों से अवगत कराना है, बल्कि उत्कृष्ट कार्य संस्कृति, विभागीय समन्वय व जनसहभागिता को भी प्रोत्साहित करना है।

एक नजर में — आपसी मतभेद मिटाकर उत्सव में सम्मिलित हुए परिजन, सोमवार को होगा विसर्जन

हर्षोल्लास से हुई कानबाई माता उत्सव की शुरूआत

नवभारत न्यूज़
पानसेमल, 27 जुलाई.

नगर में शनिवार से सप्त ऋषियों की स्थापना के साथ ही कानबाई माताजी के 3 दिवसीय उत्सव की शुरूआत हुई है। नगर के वरिष्ठ मोतीराम सुपडू सावले ने बताया कि 3 दिवसीय इस त्यौहार में परिवार और कुटुंब एकत्रित होकर विधि–विधान से पुजन करते हैं। आपसी मतभेद भुलाकर माताजी का प्रसाद ग्रहण करते हैं। सप्त ऋषियों की स्थापना के बाद मान्यता अनुसार तांदुय की भाजी और भाकर का भोग लगाकर

प्रसाद स्वरूप उसे ग्रहण किया जाता है।

रविवार को सभी परिजन एकत्रित होकर कुटुंब के सदस्यों के साथ में माता के रोट का प्रसाद ग्रहण करते हैं। सोमवार को माता की विदाई होती है। राम सोनाने ने बताया कि महाराष्ट्रीयन खानदेशी समाज की कुलस्वामिनी का पर्व धूमधाम से मनाया जाता है। परिवार के सदस्य आस्था और विश्वास के साथ माताजी का पुजन करते हैं। नगर में लगभग 40 परिवारों में कानबाई माता की स्थापना होगी। कानबाई के त्यौहार होने से दूर–दराज निवासरत परिजन भी सम्मिलित होने पहुंच रहे हैं। जिससे नगर सहित ग्रामीण क्षेत्र में चहल–पहल और बाजारों में रौनक नजर आ रही है। परिवार के सदस्य ढोल–बाजे एवं आतिशबाजी के साथ माताजी को घर पर लेकर पहुंचे।

की जाती हैं व्यवस्थाएं

नगर परिषद एवं पुलिस प्रशासन द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएं की जाती हैं। वहीं खानदेशी समाज सहित नगरवासियों द्वारा सामाजिक समरसता के भाव को लेकर त्यौहार में सहभागिता की जाती है।

रेवती रेंज फायरिंग केस में एक साल बाद भी नहीं पेश हुआ चालान

- थाना बाणगंगा की लापरवाही से न्याय से टूट रहा परिजनों का भरोसा

नव भारत न्यूज

इंदौर. रेवती रेंज में एक वर्ष पूर्व हुई फायरिंग में 45 वर्षीय व्यक्ति की मौत के बाद भी अब तक पुलिस द्वारा चालान पेश नहीं किया है. मामले में थाना बाणगंगा की गंभीर लापरवाही सामने आई है, जिससे मृतक के परिजन न्याय की आस में भटक रहे हैं.

अधिवक्ता जितेंद्र सोलंकी ने बताया कि बीएसएफ की गोली से हुई मौत के इस प्रकरण में अब तक न तो चालान न्यायालय में प्रस्तुत किया और न ही किसी तरह की वैधानिक कार्रवाई हुई है. पुलिस अधिकारी न सहयोग कर रहे हैं और न ही बीएसएफ के बयान लेने जा रहे हैं. बीएसएफ के अधिकारियों का कहना है कि वे बयान देने को तैयार हैं, लेकिन पुलिस बयान लेने ही नहीं पहुंची. इससे स्पष्ट है कि दोनों ही पक्ष गुमराह कर रहे हैं और मामला जानबूझकर लंबित रखा जा रहा है. सोलंकी ने कहा कि या तो पुलिस इस प्रकरण में खात्मा पेश करे या फिर तत्काल चालान कोर्ट में प्रस्तुत करे, ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके और अदालत का समय भी व्यर्थ न हो.

भाई ने घटनास्थल पर किया पूजन, अब हाईकोर्ट में पेश करेंगे जमानत रद्द की याचिका

- राजा रघुवंशी हत्याकांड
- शांति और न्याय की मांग के साथ उठाए कानूनी कदम
- शिलोम जेम्स की जमानत पर फिर से सवाल

नव भारत न्यूज

इंदौर. राजा रघुवंशी हत्याकांड में नया मोड़ सामने आया है. गुरुवार को राजा के भाई विपिन रघुवंशी घटना स्थल सोहरा पहुंचे, जहां उनके भाई की हत्या हुई थी. विपिन ने यहां पूजन–अर्चन कर राजा की आत्मा की शांति और मोक्ष के लिए प्रार्थना की. इस दौरान उन्होंने घटनास्थल की तस्वीरें और

वीडियो भी रिकॉर्ड किए, जिन्हें वे अब कोर्ट में साक्ष्य के तौर पर उपयोग में ले सकते हैं.

विपिन अब इस हत्याकांड के मुख्य आरोपी शिलोम जेम्स की जमानत को चुनौती देने की तैयारी में हैं. संभावना है कि वे हाईकोर्ट में याचिका दायर करेंगे, जिसमें आरोपी की जमानत रद्द करने की मांग की जाएगी. बताया गया है कि विपिन ने बुधवार को ही इस केस में नया वकील नियुक्त किया है और अब कानूनी प्रक्रिया को तेज कर दिया है. परिवार का कहना है कि हत्या सुनियोजित थी और इस मामले में आरोपी को जमानत मिलना न केवल अन्यायपूर्ण है, बल्कि मामले की निष्पक्षता पर भी सवाल खड़े करता है. विपिन द्वारा की जा रही यह अपील सिर्फ भाई के लिए न्याय की मांग नहीं, बल्कि पूरे समाज में कानून के प्रति भरोसा बनाए रखने की एक कोशिश मानी जा रही है. अब देखना यह होगा कि हाईकोर्ट में दायर की जाने वाली यह याचिका मामले की दिशा बदलने में कितनी प्रभावशाली सिद्ध होती है. पुलिस पहले ही अपनी चार्जशीट दाखिल कर चुकी है और अब पीड़ित पक्ष भी पूरी तैयारी के साथ अदालत में सक्रिय होता दिख रहा है.

हाईकोर्ट के बाहर रेप पीड़िता को धमकाकर दिलवाया बयान

- चार लोगों पर प्रकरण दर्ज, राजनीतिक रसूख का भी डर दिखाया
- जेल में बंद आरोपी को छुड़ाने के लिए बनाई साजिश, नव भारत न्यूज

इंदौर. रेप की शिकार एक युवती को हाईकोर्ट परिसर के बाहर धमकाकर जबरन बयान बदलवाने और दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करवाने की सनसनीखेज घटना सामने आई है. जेल में बंद आरोपी को बचाने के लिए चार लोगों ने मिलकर न सिर्फ पीड़िता को फंसाया, बल्कि उसे बदनाम करने और जान से मारने तक की धमकी दी गई. मामले में तुकोगंज पुलिस ने एक कथित राजनीतिक संगठन से जुड़े युवक सहित चार लोगों पर प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.घटना का खुलासा उस समय हुआ, जब गुरुवार देर रात युवती कुछ समाजजनों के साथ तुकोगंज थाने पहुंची और पूरी कहानी पुलिस को बताई. पीड़िता ने बताया कि 12 जून को उसने कनाड़िया थाने में यूसुफ खान नामक युवक के खिलाफ दुष्कर्म की शिकायत दर्ज कराई थी. आरोपी ने खुद को मुकेश बताकर पहले दोस्ती की और फिर शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाए. बाद में जब उसकी असल पहचान

सामने आई तो युवती ने पुलिस से संपर्क कर एफआईआर करवाई, जिसके बाद यूसुफ गिरफ्तार कर जेल भेजा दिया था. इसके कुछ ही दिन बाद पीड़िता को फोन आया. कॉल करने वाले ने खुद को यूसुफ का दोस्त बताया और मिलने के बहाने बाहर बुलाया. युवती को हाईकोर्ट परिसर के पास ले जाया गया, जहां पहले से तीन अन्य लोग मौजूद थे. यहां चारों ने मिलकर दबाव बनाया कि वह यूसुफ के पक्ष में बयान दे. ऐसा नहीं करने पर उसकी आपत्तिजनक फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी दी गई. आरोपियों ने कागज पर जबरन दस्तखत भी करवाए और किसी को बताने पर जान से मारने की चेतावनी दी. पीड़िता ने बताया कि इस घटना के बाद वह डर के मारे दो दिन तक अपने कमरे में बंद रही. जब हालत संभली तो उसने हिम्मत जुटाकर समाजजनों से संपर्क किया और थाने पहुंची.राष्ट्रीय पार्टी से जुड़ा नेता बताता है– पीड़िता का आरोप है कि मुख्य आरोपी खुद को एक राष्ट्रीय पार्टी से जुड़ा नेता बताता है और कई बड़े नेताओं के साथ होर्डिंग्स में उसकी तस्वीरें भी देखी गई हैं. वह इसी रसूख का हवाला देकर पुलिस कार्रवाई से बचने की धमकी दे रहा था. मामले में मान सिंह राजावत का कहना है कि तुकोगंज पुलिस ने रवि भाट, मुबारक खान, शिवम वर्मा और शिवाय नामक युवकों पर आईपीसी की गंभीर धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया है. पुलिस का कहना है कि पीड़िता को सुरक्षा दी गई है और आरोपियों की तलाश की जा रही है. जल्द ही उनकी गिरफ्तारी कर आगे की कार्रवाई की जाएगी.

गर्दन से जुड़े हैं दोनों सिर, अलग करना मुमकिन नहीं

- मामला दो सिर वाली बच्ची के जन्म का...
- डॉक्टर बोले, ऐसे केसों में जिंदा रहने की संभावना बेहद कम

इंदौर. महाराजा तुकोजीराव हॉस्पिटल में 23 जुलाई को जन्मी दो सिर वाली बच्ची की हालत नाजुक बनी हुई है. फिलहाल उसे वेंटिलेटर पर रखा गया है और डॉक्टरों की टीम उसकी जान बचाने की हर संभव कोशिश कर रही है. लेकिन मेडिकल साइंस की सीमाएं खुद डॉक्टरों को मजबूर कर रही हैं. डॉक्टरों का कहना है कि गर्दन से जुड़े दोनों के सिर है, मगर शरीर नहीं. इसलिए इन्हें अलग नहीं किया जा सकता.

पीडियाट्रिक स्पेशलिस्ट डॉ. प्रीति मालपानी ने साफ कहा बच्ची के गर्दन से दोनों सिर जुड़े हैं, इसलिए इन्हें अलग करना संभव नहीं है. ऐसे मामलों में सर्जरी का कोई रास्ता नहीं बचता. डिलीवरी से पहले परिजन जुड़वां संतान मान रहे थे, लेकिन जन्म के बाद मामला डॉक्टरों के लिए भी एक दुर्लभ मेडिकल केस बन गया. दो सिर और एक धड़ वाली यह बच्ची अब एक केस स्टडी बन चुकी है. डॉ. मालपानी का कहना है कि यह मेडिकल कंडीशन बेहद दुर्लभ है, करीब 1 से 2 लाख में

स्पाइनल कॉर्ड अलग, लेकिन बाकी अंग एक–

डॉक्टरों के मुताबिक इस केस में दोनों सिरों की स्पाइनल कॉर्ड अलग–अलग हैं, लेकिन शरीर के बाकी अंग साझा हैं. यही कारण है कि इन्हें सर्जरी के जरिए अलग नहीं किया जा सकता. डॉ. मालपानी ने साफ कहा देश में सिर जुड़े बच्चों को अलग करने का अब तक कोई सफल उदाहरण नहीं है. कुछ मामलों में शरीर का हिस्सा जुड़ा होने पर सर्जरी की जाती है, लेकिन जब ब्रेन और गर्दन जुड़ी हो तो कोई विकल्प नहीं रहता.

ऐसा एक केस देखने को मिलता है. इस प्रकार की विकृति का बड़ा कारण जेनेटिक होता है. देवास निवासी जिस महिला ने बच्ची को जन्म दिया, उसका पिछला गर्भ भी तीन माह में गिर चुका था. डॉक्टर्स का मानना है कि यह भी जेनेटिक डिसऑर्डर से जुड़ा कारण रहा होगा. उनके मुताबिक आमतौर पर ऐसे भ्रूण या तो गर्भ में ही दम तोड़ देते हैं या जन्म के कुछ ही घंटों या दिनों के भीतर उनकी मौत हो जाती है. इस केस में बच्ची के दो सिर हैं लेकिन शरीर एक ही है, यानी सिर्फ एक दिल, एक लिवर, एक फेफड़ा और एक पाचन तंत्र. मेडिकल टीम के सामने अब दोहरी चुनौती है, एक ओर बच्ची की जान बचाना, दूसरी ओर भविष्य की संभावित जटिलताओं से निपटना. अगर बच्ची जीवित रहती भी है, तो भविष्य में उसे गंभीर हार्ट, न्यूरोलॉजिकल और विकास संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है.